नगर प्रमुख – माननीय श्री मनोज गर्ग

मा0 नगर प्रमुख महोदय द्वारा सदन मे उपस्थित सभी मा0 सभासदों का धन्यवाद एवं आभार प्रकट करते हुए अभिभाषण किया गया

अति प्राचीन, ऐतिहासिक एवं धर्मनगरी के रूप में प्रतिष्ठित हरिद्वार नगर के प्रथम नगर निगम में चुन कर आये हुए निर्वाचित पार्षदों का हार्दिक अभिनन्दन, वन्दन एवं स्वागत है। हम लोगों के लिये यह बडे गर्व एवं सौभाग्य की बात है कि आज इस ऐतिहासिक क्षण, जिसके हम लोग भागीदार बन रहे हैं, क्योंकि नगर निगम बनने के पश्चात् यह निर्वाचित सदन है। मैं आप सभी सम्मानित सदस्यों का आहवान करता हूँ कि हरिद्वार नगर निगम की जनता की उन्नति एवं विकास के लिए हम सभी को कार्य करना है तथा जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है।

मेरे सम्मानित पार्षदों, हरिद्वार नगर निगम के महापौर के रूप में मेरा यह प्रयास रहेगा कि 74वें संविधान संशोधन के अनुसार नगर निगम को पूरी शक्तियाँ प्राप्त हो तथा संविधान में प्रदत्त सुविधाओं का समुचित उपयोग हो। इस कार्य में आप सभी निर्वाचित सदस्यों का सहयोग अपेक्षित है। आप सभी अवगत है कि मा0 सांसदों एवं मा0 विधायको को मानदेय मिलता है लेकिन जनप्रतिनिधि होते हुए भी महापौर/पार्षदों/सभासदों को यह सुविधा नही मिलती है। मेरा यह प्रयास रहेगा कि सभी को सुविधा प्राप्त हो।

हरिद्वार शहर में गरीबी रेखा से नीचे निवास कर रहे गरीबों, दीन–हीन बेसहारों व विशेषकर महिलाओं के लिए कोई ब्लड बैंक नही है। गरीबों के लिए ब्लड बैंक की स्थापना हरिद्वार में शीघ्र की जायेगी। नगर निगम हरिद्वार का कार्यालय बहुत ही प्राचीन भवन में चल रहा है तथा जीर्ण–शीर्ण अवस्था में है शासन से शीघ्र ही वार्ता करके नगर निगम हरिद्वार के कार्यालय हेतु भवन निर्माण की व्यवस्था की जायेगी जो आधुनिकतम साज–सज्जा से परिपूर्ण होगा। नगर निगम हरिद्वार की सूरत ही नही सीरत भी बदलने की आवश्यकता है जिसे पूर्ण किया जायेगा।

नगर निगम हरिद्वार के अन्तर्गत कार्य कर रहे कर्मचारियों/अधिकारियों को पूरी लगन एवं ईमानदारी के साथ कार्य करना होगा तथा उनकी सुख सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जायेगा। नगर निगम हरिद्वार के कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने के लिए मैं सदा तत्पर रहूंगा तथा उन्हे कार्य करने का उचित माहौल प्रदान किया जायेगा।

तीर्थनगरी हरिद्वार का सुन्दर व व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने की जिम्मेदारी के साथ–साथ विरासत के रूप में 30 करोड की देनदारी भी मिली है, इस चुनौती को मा0 पार्षदों के सहयोग से हल किया जायेगा। नगर निगम की आय के साधन बढाने में दलगत राजनीति से ऊपर उठकर प्रयास किया जायेगा। नगर निगम को साधन सम्पन्न बनाने के साथ–साथ कर्मचारियों के प्रति भी जवाबदेह व संवेदनशील बनाने का प्रयास किया जायेगा। नियत समय पर कर्मचारियों का वेतन व देय सुविधायें प्रदान की जाय यह हमारी प्राथमिकता होगी कर्मचारियों को आवासीय सुविधा व नगर निगम के जर्जर भवन के स्थान पर सुविधा सम्पन्न भवन बनाने पर भी हम आपके सहयोग से प्रयास करेंगें।

अन्त में मैं सभी सम्मानित पार्षदों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ।